ग्रेटर नगर निगम के 39 पार्कों में अधिकांश फव्वारे बंद, फिर भी भुगतान की तैयारी!

करोड़ों की लागत से बने फाउंटेन की हो रही दुर्दशा, ठेकेदार को नोटिस तक नहीं दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम प्रशासन ने राजधानी जयपुर के पार्कों को संवारने और आधुनिक बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर फव्वारे लगाए थे, ताकि आमजन को सुंदर वातावरण और बच्चों को मनोरंजन की सुविधाएं मिल सकें। परंतु हकीकत यह है कि एकाध पार्क को छोड़कर ग्रेटर निगम के करीब 35 से ज्यादा पार्कों में फव्वारे पूरी तरह बंद पड़े है।

प्रताप नगर सेक्टर 6 और मानसरोवर के वार्ड 27 स्थित ग्रेटर नगर निगम के पार्कों में बंद पड़े फव्वारे।

सूत्रों के मुताबिक ग्रेटर निगम की उद्यान शाखा ने इन फव्वारों के रखरखाव का ठेका गत वर्ष मैसर्स हजारी जसवाल को 70-80 लाख रुपए में दिया गया था। परंतु ठेकेदार ने इन फव्वारों को सुचारु रखना तो दूर, इनकी कभी सुध भी नहीं ली। इस कारण 39 पार्कों में लगे 42 फाउंटेन में से अधिकांश सिर्फ दिखावे के साधन बने हुए है।

हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर लापरवाही के बावजूद ग्रेटर निगम की उद्यान शाखा ने कभी ठेकेदार को नोटिस तक नहीं थमाया। इसके विपरीत अब उद्यान शाखा ने इस फर्म को भुगतान करने के लिए बिल बनाकर भी वित्त शाखा में प्रस्तुत कर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक मालवीय नगर जोन में 14, मानसरोवर में 6, सांगानेर में 2, जगतपुरा में 1, झोटवाड़ा में 4, मुरलीपुरा में 9 तथा विद्याधर नगर के 3 पार्कों में कुल 42 फव्वारे लगे हुए है। जिनके संचालन का ठेका इस फर्म के पास है। परंतु रखरखाव के अभाव में इनकी दुर्दशा हो रही है। अगर पार्क में आने वाला कोई व्यक्ति ठेकेदार के कर्मचारियों से पार्कों में फाउंटेन सुचारु नहीं होने का कारण पूछते हुए शिकायत भी करता है तो कभी पानी की मोटर खराब बताकर तो कभी बिजली कनेक्शन नहीं होने का बहाना बनाकर बात टाल दी जाती है।

चौंकाने वाली बात यह है कि ग्रेटर निगम की उद्यान शाखा ने अब तक ठेकेदार के कार्यों की कोई जांच ही नहीं की। उल्टा फर्म को पूरा भुगतान करने की तैयारी चल रही है।

मानसरोवर और प्रताप नगर क्षेत्र के पार्कों में बंद फाउंटेन को लेकर जब स्थानीय लोगों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पार्क में लगे फव्वारे सिर्फ दिखावे के लिए हैं, कभी चालू नहीं हुए। जबकि हर साल रखरखाव का बजट खर्च होता है, लेकिन जमीनी हकीकत शून्य है। अगर निगम अधिकारियों ने ठेकदार के काम की जांच की होती तो सच सामने आ जाता।स्थानीय लोगों ने निगम प्रशासन से मांग की है कि सभी 39 पार्कों की तकनीकी जांच कराएं, दोषी ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट कर भुगतान की ऑडिट हो। साथ ही सभी फव्वारें चालू करवाए जाए। ज्ञात रहे कि हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रक्टर्स सोसायटी के अध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने भी पिछले दिनों आयुक्त से मुलाकात कर उद्यान शाखा पर गड़बड़ी का आरोप जड़ा था।

- **बताया जा रहा है कि निगम प्रशासन ने इन फव्वारों के रखरखाव का ठेका गत वर्ष मैसर्स हजारी जसवाल को करीब 70-80 लाख रु. में दिया था। परंतु ठेकेदार ने इन फव्वारों को सुचारु रखना तो दूर, सुध भी नहीं ली।**

फर्जी ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस चलाकर ब्लैकमेलिंग करने वाली गैंग गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। जवाहर सर्किल पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस चलाकर ब्लैकमेलिंग करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए महिला सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। परंतु गिरोह मुख्य सरगना दीपक फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

पुलिस जांच में पता चला है कि ये बदमाश गूगल सर्च पर अपने विज्ञापन दिखाने के लिए गूगल ऐड का इस्तेमाल करते थे। जैसे ही कोई ग्राहक गूगल से मिले नंबरों पर संपर्क करता था, वे उससे होटल की बुकिंग कन्फर्म करने के लिए कहते और कुछ राशि एडवांस के तौर पर ले लेते थे।

गिरोह के सदस्य ग्राहक के बताए अनुसार होटल के आसपास पहुंचकर उसे होटल से बाहर बुलाते थे। फिर वे ग्राहक को गाड़ी में बैठाकर उसका फोन छीन लेते और उसके रिश्तेदारों व परिवार के सदस्यों को अनैतिक कार्य करने से संबंधित चैट भेजने का डर दिखाकर पैसे लूट लेते थे। उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस चलाकर ब्लैकमेलिंग करने वाले गिरोह के आरोपित ओमप्रकाश उर्फ राजू पूनिया मूलत: दयालपुरा दूदू हाल कृष्णा विहार मानसरोवर, मनीष चौधरी उर्फ डुग्गा पवालिया मुहाना, भागचंद गुर्जर अखैपुरा मौजमाबाद, महिला सन्नी देवी आसलपुर जोबनेर को गिरफ्तार किया है। इस गैंग ने जयपुर शहर में और भी वारदात करना कबूल किया है। इस गैंग का मुख्य सरगना दीपक अभी फरार है जिस की तलाश की जा रही हैं। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपित गूगल ऐड का उपयोग कर अपनी वेबसाइट टॉप पर दिखाते थे। जैसे ही कोई ग्राहक कॉल करता, उससे एडवांस राशि ले ली जाती।

पहला तरीका: एडवांस लेने के बाद कोई सर्विस नहीं दी जाती।

दूसरा तरीका: युवती को होटल भेजकर विवाद कराया जाता और मौके पर मौजूद गुर्गे मारपीट व लूट करते।

तीसरा तरीका: सर्विस देने के बाद युवती छेड़छाड़ या बलात्कार के आरोप की धमकी देकर मोटी रकम ऐंठती।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आशाराम चौधरी और सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य पुनिया के सुपरविजन में थाना प्रभारी मदनलाल कडवासरा के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिर की मदद से आरोपियों को दबोचा। पूछताछ में उन्होंने जयपुर में कई अन्य वारदात करना कबूल किया है।

इस मामले के खुलासे में मदनलाल कडवासरा (थाना प्रभारी), श्याम प्रकाश (एसआई), अमर सिंह (एएसआई), हरिओम, हरिराम, सुरेश, लोकेश कुमार, मुकेश, आशीष और अनीता ने कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई। विशेष भूमिका हरिओम और मुकेश की रही।

जवाहर सर्किल पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस चलाकर ब्लैकमेलिंग करने वाले गिरोह के बदमाश दबोचे।

बंद कार में मिली दो भाइयों की लाश

जयपुर। गलता गेट थाना इलाके में बंद कार में दो भाइयों लाश मिलने का मामला सामने आया है। दोनों नाबालिग घर के पास खेलते हुए अचानक गायब हो गए थे। परिवार ने बच्चों की हत्या की आशंका जताई है। एक बच्चे के नाक और कान से खून बहा था। ऐसे में मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा। इस घटना से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश फैल गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि महवा (दौसा) हाल गलता गेट के नागतलाई के रहने वाले शहजाद के बेटे अनस (8), अहसान (5) मंगलवार रात को घर के पास खेल रहे थे। इसके कुछ देर बाद दोनों गायब हो गए थे। परिजनों ने उन्हें काफी देर तक तलाश किया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। दोनों घर के पास खड़ी एक गाड़ी में बेसुध मिले। एक बच्चे के शरीर पर खून के निशान भी थे। पुलिस ने दोनों को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों मासूमों की मौत की जानकारी मिलते ही एसएमएस हॉस्पिटल में लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय विधायक रफीक खान भी मौके पर पहुंचे। मौत से गुस्साए लोगों ने देर रात तक काफी हंगामा भी किया। इसके बाद पुलिस-प्रशासन की समझाइश के बाद हंगामा शांत हुआ।

रामगंज सहायक पुलिस आयुक्त हरिशंकर शर्मा ने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि मासूम खेलते-खेलते गाडी में घुस गए और ऑटो लॉक हो जाने से अंदर फंस गए। इसके बाद दम घुटने से मौत हो गई। हालांकि परिजनों ने बच्चों की हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि शव पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने फिलहाल दोनों शव एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जाएगा. इसके बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा।मौके पर एफएसएल टीम को बुलाकर फिंगरप्रिंट की भी तस्दीक की गई। घटना में स्पष्ट रूप से जांच के बाद ही कुछ कहना संभव होगा। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक रफीक खान मौके पर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। बड़ी संख्या में लोग एसएमएस अस्पताल और नागतलाई इलाके में एकत्र हो गए। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह हादसा प्रतीत हो रहा है, लेकिन परिजनों की शंका को देखते पुलिस हत्या की आशंका से भी इनकार नहीं कर रही है।

मृतक अनस और अहसान

- **परिजनों ने जताई बच्चों की हत्या की आशंका**

दिसंबर में सभी निकायों के चुनाव करवाएंगे : मंत्री खर्रा

जयपुर। राजस्थान में शहरी निकायों के चुनावों को लेकर सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग के बीच टकराव के हालात बन गए हैं। दोनों की अलग-अलग राय सामने आ रही है। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने 2 महीने में चुनाव करवाने की घोषणा की थी। अब यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि हम दिसंबर में सभी 309 शहरी निकायों के एक साथ चुनाव करवाएंगे।

दरअसल, राज्य निर्वाचन आयुक्त मधुकर गुप्ता ने हाईकोर्ट के आदेशों के मुताबिक जल्द निकाय और पंचायत चुनाव करवाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि जिन निकायों और पंचायती राज संस्थाओं का 5 साल का कार्यकाल पूरा हो गया और जिनका दो महीने में पूरा हो जाएगा, वहां भी चुनाव होंगे। उन्होंने अभी वन स्टेट, वन इलेक्शन व्यावहारिक नहीं माना है।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि, राज्य निर्वाचन आयोग कार्यक्रम जारी कर देगा तो उसके मुताबिक देखेंगे। जो कुछ हमें करना होगा, वह हम करेंगे। आयोग को जो करना है, वो आयोग करेगा। खर्रा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के हिसाब से हमारे पास फरवरी तक का समय है। फरवरी में 6 महीने पूरे होते हैं, हम तो दिसंबर में ही करवा देंगे। हाईकोर्ट के आदेश की हमने प्रमाणित प्रति मंगवाई है। प्रमाणित प्रति मिलने के बाद उचित कदम उठाने होंगे। यूडीएच मंत्री ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग के दो बयान आए हैं। पहला बयान आया कि दो-तीन दिन में कार्यक्रम की घोषणा कर देंगे। इसके बाद कहा कि दो महीने में करेंगे। खर्रा ने कहा कि दिसंबर 2025 में हमें वन स्टेट, वन इलेक्शन के तहत चुनाव करवाने में कोई विधिक अडचन नहीं है। वार्ड परिसीमन पूरा हो चुका है। एक-दो दिन में पत्रावली भेज देंगे। परिसीमन की अधिसूचना एक-दो दिन में जारी हो जाएगी। ज्यादा वक्त लगा तो एक सप्ताह में जारी हो जाएगी।

'गहलोत सरकार ने पंचायती राज का सिस्टम बिगाड़ा'

जयपुर। खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने मीडिया से रूबरू होकर कहा कि पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार ने पंचायतीराज का सिस्टम बिगाड़ा। हमारी सरकार वन स्टेट, वन इलेक्शन करवाएगी। पंचायतों के पुनर्गठन के लिए गठित सब कमेटी ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी है। प्रदेश में वन स्टेट, वन इलेक्शन के तहत ही चुनाव होने चाहिए। पंचायत और निकाय चुनाव समय पर कराने के लिए हमारी सरकार कृत संकल्प है।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने भी माना कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव एक साथ होने में दिक्कत है। खर्रा ने कहा कि पंचायतीराज के चुनावों में सबसे बड़ी दिक्कत आ रही है कि उनकी अवधि अलग-अलग है। कुछ पंचायती राज संस्थाओं का कार्यकाल 2027 में खत्म हो रहा है। कुछ का 2026 में खत्म हो रहा है। इसे लेकर मंथन चल रहा है कि एक साथ चुनाव कैसे हो? उम्मीद है कि एक साथ चुनाव में जो संभव हो सकेगा, किया जाएगा।

सार-समाचार

चिटफंड के बहाने ठगने वाला गिरफ्तार

जयपुर। जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व (डीएसटी) ने बजाज नगर थाने में दर्ज पन्द्रह साल पुराने मामले में फरार चल रहे एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित चिटफंड कम्पनी के खिलाफ दर्ज मामले में आरोपित था जो वर्ष 2011 से फरार चल रहा था। आरोपित के बारे में पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपित एयरपोर्ट थाना सर्किल में रुका हुआ है। जिस पर डीएसटी पूर्व की टीम ने दबिश देकर आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि वर्ष 2011 में बजाज नगर थाने में चिटफंड कंपनी खोलकर लोगों से धोखाधड़ी कर पैसा लेने का मामला दर्ज हुआ था। जिसकी जांच में प्रमाणित हो गया था कि आरोपित विजेन्द्र सिंह निवासी उदयपुरवाटी ने धोखाधड़ी की है। जिस पर पुलिस टीम ने आरोपित का पीछा किया लेकिन आरोपी बार-बार लोकेशन बदल कर पुलिस से बच रहा था। आरोपित के खिलाफ जब पुलिस टीम द्वारा जांच की गई तो पता चला कि पूरे राजस्थान में आरोपित विजेन्द्र सिंह के खिलाफ 32 आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिस पर पुलिस को आरोपित की लोकेशन एयरपोर्ट सर्किल के पास मिली। जिस पर पुलिस टीम ने आरोपित को गिरफ्तार कर पूछताछ करने में जुटी है।

भक्तिभाव से मनाई बच्छ बारस

जयपुर। भाद्रपद कृष्ण द्वादशी बुधवार को गौवत्सा द्वादशी (बच्छ बारस) के रूप में मनाई गई। महिलाओं ने गाय और बछड़े की पूजा कर अपने पुत्र की लंबी आयु की कामना की। गाय के खुरों में थोड़ा सा पानी डालकर चुनरी ओढ़ाई। सींग के मोली बांधकर रात भर भीगे मूंग-मोठ-चना और मक्का की रोटी खिलाई। बछड़े वाली गाय की पूजा कर कथा सुनी। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से व्रत की कथा सुनी। गाय के पूंछ को सिर पर लगाकर महिलाओं ने गाय और बछड़े की परिक्रमा करते हुए पुत्र के लिए मंगल कामना की। बड़ी संख्या में महिलाओं ने विभिन्न गौशालाओं में जाकर बछड़े वाली गाय का पूजन किया। घरों में महिलाओं ने गेहूं की जगह मक्का, चना, मूंग और मोठ खाने में काम लिया। घरों में सब्जी चाकू से काटे बिना ही बनाई गई। या फिर ऐसी सब्जी बनाई गई जिसे काटने की नौबत ही नहीं आई। महिलाओं ने दिनभर चाकू से कटे फल का त्याग किया।

श्री चमत्कारेश्वर मंदिर का पाटोत्सव

जयपुर। पानीपेच स्थित श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर का 59 वां पाटोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया। मीडिया प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि भगवान भोलेनाथ सहित सभी विग्रहों का पंचामृत से अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण कराई गई। ऋतु पुष्पों से श्रृंगार किया गया। बाबा भोलेनाथ की रंगीन बर्फी से झांकी सजाई गई। हजारों लोगों ने मनोरम झांकी के दर्शन कर भोजन प्रसादी ग्रहण की। इस मौके पर हरीश शर्मा, विनोद अग्रवाल, अनुपम शाह, नरेश सिंघल, सुरेश अग्रवाल, सचिव रवि प्रकाश चौधरी, श्याम यादव, उपाध्यक्ष राधा कृष्ण मांडल, संजय शर्मा, विष्णु बियानी, महेश सैनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। समिति की ओर से सभी का सम्मान किया गया।

श्री हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ

जयपुर। श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति के तत्वावधान में 4 अक्टूबर जयसिंहपुरा रोड भांकरोटा स्थित द हेरिटेज रिसॉर्ट में संत अमरनाथ महाराज के सानिध्य में श्री हनुमान चालीसा का 108 बार सामूहिक पाठ किया जाएगा। महाआरती के बाद प्रसादी का आयोजन होगा। आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आयोजन स्थल पर आयोजित बैठक में भागचंद वर्मा, महेश गुप्ता, आशीष गौतम ,बिरदीचंद कुमावत, राधेश्याम बैराठी, रामावतार छीपा, योगेन्द्र नीखरा , मुकेश कुमावत सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में मोदक झांकी

जयपुर (कासं)। एक पखवाड़े तक श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाकर अब छोटीकाशी प्रथम पूज्य गणपति का जन्मोत्सव भी धूमधाम से मनाएगी। गणेश मंदिरों में इसकी तैयारियां शुरू हो गई है। भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी 27 अगस्त को मनाया जाएगा। इसके चलते मोती डूंगरी गणेश मंदिर में बुधवार से नौ दिवसीय के कार्यक्रमों की शुरुआत हो चुकी है। जन्मोत्सव के पहले बुधवार को सवा लाख मोदकों की झांकी सजाई गई। इस झांकी का मुख्य आकर्षण 251-251 किलो के दो बड़े मोदक रहे।

इनके साथ ही 51 किलो के 5 मोदक, 21 किलो के 21 मोदक और 1.25 किलो के 1100 मोदक भी भगवान को भोग लगाए गए। हजारों छोटे मोदकों से भी श्रृंगार कर प्रथम पूज्य को विशेष भोग लगाया गया। साथ ही भगवान गणेश को माणक-पन्ना जड़ित विशेष मुकुट धारण कराया गया। दर्शनों के लिए भक्तों की सुबह 5 बजे से ही भीड़ लग गई थी।

मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मोदकों को तैयार करने में 14 हजार 600 किलो सामग्री का उपयोग किया गया। इसमें 2 हजार 500 किलो घी, 3 हजार किलो बेसन, 9 हजार किलो शक्कर और 100 किलो मेवा शामिल रहा। झांकी में सजाए गए मोदकों को भक्तों के लिए प्रसाद स्वरूप निशुल्क वितरित किया गया। मोदक भगवान गणेश का प्रियतम भोग माना जाता है। यही वजह रही कि भक्तों ने प्रसाद स्वरूप मिले मोदकों को भगवान का आशीर्वाद मानकर ग्रहण किया। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। 21 अगस्त को श्री गणेश का पुष्य नक्षत्र अभिषेक किया जाएगा। पंचामृत 251 किलोग्राम दूध, 25 किलोग्राम बूरा, 50 किलोग्राम दही, 11 किलोग्राम शहद और 11 किलोग्राम घी मिलाकर बनाया जाएगा।

आवासन मंडल की अवाप्तशुदा जमीनों पर बसी कॉलोनियों के नियमन पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांगानेर के आसपास आवासन मंडल की ओर से अवाप्तशुदा जमीनों पर बसी कॉलोनियों के नियमन को लेकर यूडीएच की ओर से गत 12 मार्च को जारी आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। जस्टिस एसपी शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी और अधिवक्ता टीएन शर्मा ने आवासन मंडल की ओर से बी टू बाईपास से सांगानेर के बीच की कई बीघा जमीन को अवाप्त कर कब्जाधारियों को अवार्ड जारी किए थे, लेकिन इन जमीनों का कब्जा नहीं लिया गया था।

इस दौरान प्रभावशाली लोगों ने इस जमीन पर कब्जा कर लिया और करीब 86 कॉलोनियां काटकर सोसाटियों के पट्टे जारी कर दिए। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार के अधिकारियों ने भू माफियाओं से मिलीभगत कर आवासन मंडल के स्वामित्व की इस जमीन का कब्जा धारियों के पक्ष में नियमन करने का निर्णय ले लिया। वहीं नगरीय विकास विभाग ने गत 12 मार्च को इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया। याचिका में गुहार की गई है कि आवासन मंडल की जमीन का अतिक्रमियों के पक्ष में नियमन होने से रोका जाए और मौके पर हुए अतिक्रमणों को भी हटाया जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता मनोज कुमार शर्मा ने अदालत को बताया कि इस भूमि पर तीन दशक से अधिक की अवधि से लोग रह रहे हैं। जमीन की अवाप्ति का मूल उद्देश्य अब पूरा होना भी संभव नहीं है।

ऐसे में यहां बसी कॉलोनियों के निवासियों को सुविधाएं देने के लिए इसका नियमन करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही एएजी ने याचिका का जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने मामले में यूडीएच की ओर से जारी गत 12 मार्च के आदेश पर रोक लगा दी है।

- **हाईकोर्ट ने नगरीय विकास विभाग के गत 12 मार्च को जारी आदेश की क्रियान्विति पर भी रोक लगाई है**

हैरिटेज महापौर-कमिश्नर के खिलाफ पार्षदों का धरना

जयपुर। हैरिटेज नगर निगम में सियासी बवाल मचा हुआ है। बुधवार को बीजेपी चेयरमैन और पार्षदों ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

करीब 20 से ज्यादा बीजेपी पार्षदों ने महापौर कुसुम यादव और कमिश्नर डॉ. निधि पटेल पर आरोप लगाते हुए मुख्यालय भवन में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। इस दौरान भाजपा पार्षदों में भ्रष्टाचार मुक्त निगम बनाने के साथ मेयर और कमिश्नर की सद्बुद्धि को लेकर भजन किए।

बीजेपी पार्षद सुभाष व्यास ने कहा कि मौजूदा बोर्ड में 100 करोड़ रुपए की बस्सी सीतारामपूरा की सरकारी जमीन के गलत पट्टे जारी कर जमीन घोटाला हुआ है। इस पूरे मामले में वो सभी दोषी है, जिन्होंने फाइल पर साइन किए। अब उन सब के खिलाफ निष्पक्ष जांच एजेंसी से जांच होनी चाहिए। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई व पट्टे निरस्त होने चाहिए।

पार्षदों ने कहा कि, नगर निगम के पूर्व कमिश्नर अरुण कुमार हसीजा ने साधारण सभा की बैठक में सभी पार्षदों के वार्डों में विकास कार्यों के लिए एक-एक करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। वार्डों के विकास कार्य भी सैंक्शन हो गए थे। परंतु वर्तमान कमिश्नर निधि पटेल ने हमारे वार्डों के विकास कार्यों को रोक दिया है। वार्डों में सफाई व्यवस्था के लिए जो कर्मचारी प्रत्येक पार्षद को दिए गए थे, उन्हें भी हटा दिया गया है। इस वजह से वार्डों की सफाई व्यवस्था चरमरा चुकी है। पार्षदों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा। तब तक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे रहेंगे। पार्षदों ने भूख हड़ताल की भी चेतावनी दी। बीजेपी चेयरमैन उत्तम शर्मा ने कहा कि नगर निगम में एक और जहां वार्डों के विकास कार्य रुक चुके हैं। खुलेआम जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। सिविल लाइन जोन में करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन के फर्जी पट्टे दे दिए, इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। धरने में चेयरमैन सुरेश नवरिया, उत्तम शर्मा, माणक शर्मा, संतोष कवंर, महेंद्र पहाड़ियां, हेमेंद्र शर्मा, बबीता तंवर, मनोज दुग्गल, अंशुल शर्मा, ज्योति चौहान, विक्रम सिंह, रवि सैनी, सुभाष व्यास, राजेश कुमावत, मंजू राकेश बागड़ा, विमल अग्रवाल, सुनील दत्ता, श्याम सुंदर सैनी और राहुल शर्मा मौजूद रहे।

- **वार्डों का विकास रोकने का आरोप लगाते हुए पार्षदों ने बस्सी सीतारामपुरा में सरकारी जमीन के फर्जी पट्टे देने की निष्पक्ष जांच करने समेत कई मांगें रखी**

हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय में भाजपा पार्षदों ने बुधवार को धरना देकर विरोध जताया।

महिला सुरक्षा जीवनभर का संकल्प : डीजीपी

जयपुर। जयपुर पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा और प्रभावशाली अभियान शुरू किया है। इस अभियान का नाम "सशक्त नारी, जिम्मेदारी हमारी" है, जिसका उद्घाटन पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कॉन्स्टीट्यूशन क्लब के पृथ्वीराज चौहान सभागार में किया। यह अभियान 26 अगस्त तक महिला सुरक्षा सप्ताह के रूप में चलेगा, लेकिन इसका संकल्प स्थायी है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि महिला सुरक्षा सिर्फ सात दिनों का नहीं, बल्कि हमेशा का ही संकल्प है। उन्होंने महिलाओं को शक्ति, सहनशीलता और साहस का प्रतीक बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में महिला सुरक्षा सबसे ऊपर है और कालिका पेट्रोलिंग, एंटी-रोमियो और निर्भया स्क्वाड जैसी पहलों ने पहले ही सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने जयपुर को देश का दूसरा सबसे सुरक्षित शहर बताते हुए, इसे विश्व का सबसे सुरक्षित शहर बनाने का लक्ष्य रखा।

शासन सचिव ने ली पशुपालन विभाग के अफसरों की बैठक

जयपुर। पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट घोषणाओं के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए क्रियान्विति की गति बढ़ाते हुए काम करने के लिए विभाग के अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए है। उन्होंने अधिकारियों को बजट घोषणाओं को योजनाबद्ध तरीके से तय समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए। राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ आनंद सेजरा, पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना, डॉ प्रवीण सेन, डॉ विकास शर्मा, डॉ ओमप्रकाश बुनकर सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। संभाग के अतिरिक्त निदेशक, जिलों के संयुक्त निदेशक सहित वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, मोबाइल वेटरीनरी यूनिट, कॉल सेंटर के संचालन और प्रभावी पर्यवेक्षण, लंपी स्किन डिजीज तथा अन्य टीकाकरण, दवाईयों की समय पर उपलब्धता, सेक्स सॉर्टेड सीमन, टीकाकरण का भारत पशुधन एप पर इन्द्राज, पशु चिकित्सा संस्थाओं के भवन के लिए भूमि के पट्टे तथा केपीआई सहित अन्य विभिन्न मुद्दों पर अधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति दी और उन पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा के तहत 13 लाख 1896 पशुओं के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी हो चुके हैं जबकि 10 लाख 7474 पशुओं का सर्वे हो चुका है और 9.29 लाख की बीमा पॉलिसी जारी हो चुकी है। इस संबंध में शासन सचिव ने योजना की क्रियान्विति की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना का दूसरा चरण सितंबर के प्रथम सप्ताह में शुरू किया जाएगा और इस बार स्वास्थ्य प्रमाण पत्र और बीमा जारी करने का काम साथ साथ किया जाएगा।

पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बैठक ली।